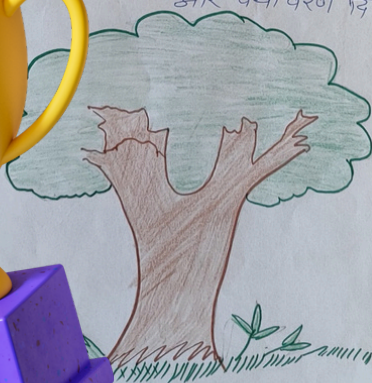


यदि पेड़ भी बोल पाता

यदि पेड़ भी बोल पाता
तो समस्या पाता अपनी अहमियत ।
कितना जरूरी हैं मैं तुम्हारे लिए
मुझसे ही मिलता तुमको जीवन ।
फिर भी मुझे काटने में लगा दिया
हे मानव ! तुमने अपना तन-मन-धन ॥
मुझे मिटाने का यही सिलसिला जारी रहा,
तो बड़े दिन भी दूर नहीं जब चलोगे
अपनी फीठ पर लादकर, ऑक्सीजन
का सिलेंडर ॥

कारण ! सबसे ज़ेरी
जागरूकता फैल जाऊ
कि हर दिन मेरे लिए 'पृथ्वी'
और 'पंचांग' दिवस 'मनाया जाऊ' ॥



वृत्ति शशी
तीसरी-अ

दो का फुड़ा

एक गाँव में थे दो चोर,
चोरी करते चारों ओर,
एक किलो पीते थे दूध,
एक आठ अमरुद्ध,
दस गाँव में थे बदनाम,
बाहर थाने में था नाम,
एक दिन चौकह थानेदार आए,
ओलह उनपूर-कंस लगाए,
अट्ठारह मील दिया धकेल,
बीस हाल की हो गई जेल ।

MANSHI YAD
III-A.

बाल गीत

तीवन में कुछ करना है तो मन को मरिमत बैठो

आगे आगे बढ़ना है तो हिम्मत धारे मत बैठो

धरती चलती, लगे चलते, पौंद रात भर चलता है।

किशोरी का अपहार बैठने झरज रोज निकलता है

हुका चले तो महक बिखरे तुम भी प्यारे मत बैठो
चलने वाला मंचिल पाता बैठा पीछे रहता है।

ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल होता है।

आगे - आगे - - -

गिन में कुछ करना है तो - - - - -

हेमन हंस
IV-A

सर्वनाम से परिचय

सर्वनाम से अवगत होना
सबको बहुत जरूरी
नाम लिए बिन कबला हमका
कविता अपनी पूरी !

बह कृष्ण हैं गीत श्रुणाक्षी,
तुमने कहा कहानी !
उससे बोला था कब हमसे
ले आना तुम पानी !

किस्ने तुमसे बोल दिया है,
शब्द आप पहचानी ।
सर्वनाम का ज्ञान मिलेगा,
बात यह पक्की जानी ।